A–1036

Total Pages : 4 **Roll No. .....**

BASL(N)-101

संस्कृत पद्यकाव्य एवं नीति साहित्य

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अधोलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए–

(क) असन्तो नाऽभ्यर्थ्याः सुहृदपि न याच्यः कृशधनः।
प्रिया न्याय्या वृत्तिर्मलिनमसुभङ्गेऽप्यसुकरम्॥

विपद्युच्चैः स्थेयं पदमनुविधेयं च महतां।
सतां केनोद्दिष्टं विषममसिधाराव्रतमिदम्॥

(ख) दाक्षिण्यं स्वजने, दया परिजने शाठ्यं सदा दुर्जने।
प्रीतिः साधुजने, नयो नृपजने, विद्वज्जने चार्जवम्॥
शौर्यं शत्रुजने, क्षमा गुरुजने, नारीजने धूर्तता।
ये चैवं पुरुषाः कलासु कुशलास्तेष्वेव लोगस्थितिः॥

(ग) लभते सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन्।
पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः॥
कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादयेत्।
न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्॥

2. 'नीतिशतवाम' से प्राप्त शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।

3. महाकवि भारवि का परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए।

4. संस्कृत गीतिकाव्य परम्परा पर एक सारगर्भित निबन्ध लिखिये।

5. नीतिशतककार आचार्य भर्तृहरि के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति की व्याख्या कीजिए–

   (क) एकश्चन्द्रस्तमो हन्ति न च तारागणोऽपि च।

   (ख) न हि सुप्तस्य सिंहश्च प्रविशन्ति मुखे मृगाः।

2. संस्कृत नीतिकाव्य परम्परा पर एक सारगर्भित लेख लिखिये।

3. निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक की व्याख्या कीजिए–

   (क) वसूनि वाञ्छन्न वशी न मन्युना स्वधर्म इत्येव निवृत्तकारणः।
   गुरुपदिष्टेन रिपौ सुतेऽपि वा निहन्ति दण्डेन स धर्मविप्लवम्॥

   (ख) निरत्ययं साम न दानवर्जितं न भूरि दानं विरहय्य सन्क्रियाम।
   प्रवर्तते तस्य विशेषशालिनी गुणानुरोधेन विना न सत्क्रिया॥

4. 'किरातार्जुनीयम्' के आधार पर द्रौपदी की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

5. अधोलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिये–

   (क) महाकाव्य

   (ख) मुक्तक काव्य

6. निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी अनुवाद कीजिए–

न्यस्ताक्षरा धातुरसेन यत्र भूर्जत्वचः कुञ्जरबिन्दुशोणाः।

व्रजन्ति विद्याधरसुन्दरीणामनङ्गलेख क्रिययोपयोगम्॥

यः पूरयन्कीचकरन्ध्र भागान्दरी मुखोत्थेन समीरणेन।

उद्गास्यतामिच्छति किन्नराणां तानप्रदायित्वमिवोपगन्तुम्॥

7. 'कुमारसम्भवम्' के अनुसार हिमालय का वर्णन कीजिए।

8. संस्कृत नीतिकाव्यों की परम्परा में 'शुकजीति' का स्थान एवं महत्व प्रतिपादित कीजिए।.

****